

CK  
6/7/1985

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India



अत्यधिकार  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 393] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 14, 1985/श्रावण 23, 1907  
N. 393] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 14, 1985/SRAVANA 23, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

गृह संत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1985

का.आ. 607(अ):— केन्द्रीय सरकार, विधिविशद्ध क्रियाकलाप  
(निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त  
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपर मुख्य सचिव, महाराष्ट्र सरकार को,  
उक्त अधिनियम के अधीन दंडनीय सभी अपराधों की बावत अभियोजन क्री  
मंजूरी देने की शक्ति का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है ।

[का० नं० II/17017/32/85 अ० एम (यू.एस.डी-II)]  
एम. एल. कौल, संयुक्त सचिव

2 THE GAZETTE OF INDIA, EXTRAORDINARY [PART II—SEC. 3(i)]  
MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th August, 1985

S.O. 607(E).—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby authorises the Additional Chief Secretary, Government of Maharashtra to exercise the power to sanction prosecution in respect of all offences punishable under the said Act

[F. No. II/17017/32/85 IS(U.S.D-II)]

M. L. KOUL, Jt Secy.